PDF brought to you by ResPaper.com

ICSE 2011 : Hindi

Answer key / correct responses on:

Click link: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

Other papers by ICSE : http://www.respaper.com/icse/

Upload and share your papers and class notes on ResPaper.com. It is FREE!
ResPaper.com has a large collection of board papers, competitive exams and entrance tests.

http://www.respaper.com/

HINDI

(Three hours)

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

*You will **not** be allowed to write during the first 15 minutes.*

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

---

*This paper comprises of two Sections – **Section A** and **Section B**.*

*Attempt **all** the questions from Section **A**.*

*Attempt any **four** questions from Section **B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION - A (40 MARKS)

(Attempt all questions)

Question 1.

*Write a short composition in **Hindi** of approximately 250 words on any one of the following topics :* [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :-

(*i*) प्रात:कालीन भ्रमण से क्या-क्या लाभ हैं ? क्या आप प्रात: भ्रमण के लिए जाते हैं ? बताइए कि प्रात:काल का दृश्य कैसा होता है ?

(*ii*) कल्पना कीजिए कि आप 'कौन बनेगा करोड़पति' में पाँच करोड़ रुपए जीत गए हैं। उससे आपको कोई तीन कार्य करने हैं। आप कौन-कौन से कार्य करेंगे, जिससे आपको अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो सके।

(*iii*) 'असफलता ही सफलता का आधार है' – विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए।

(*iv*) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-

"वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।"

(*v*) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

Question 2.

Write a letter in **Hindi** *in approximately 120 words on any one of the topics given below :-* *[7]*

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :-

(*i*) 2011 में दिये जाने वाले 'बच्चों के वीरता पुरस्कार' के लिए आपको चुना गया है, अपने मित्र को पत्र द्वारा प्रसन्नता तथा उत्तेजना की भावनाओं से अवगत कराते हुए, उस घटना का संक्षिप्त वर्णन कीजिए जिसके कारण आपको इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

(*ii*) आपने नया कम्प्यूटर खरीदा है, किन्तु खरीदने के एक महीने बाद ही उसमें खराबी आ गयी। आपकी शिकायत पर दुकानदार ने कोई ध्यान नहीं दिया। कम्पनी के मुख्य मैनेजर को पत्र लिखकर घटना की जानकारी देते हुए उनसे अनुरोध कीजिए कि वे आपके साथ न्याय करें।

Question 3.

Read the passage given below and answer in **Hindi** *the questions that follow, using your own words as far as possible :-*

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :-

राणा संग्राम सिंह वीरगति प्राप्त कर चुके थे। चित्तौड़ के सिंहासन पर उनके बड़े पुत्र विक्रमादित्य बैठे; किन्तु उनकी अयोग्यता के कारण राजपूत सरदारों ने उन्हें गद्दी से हटा दिया। राणा साँगा के छोटे पुत्र उदयसिंह राज्य के उत्तराधिकारी घोषित किए गये, किन्तु वे अभी छः वर्ष के बालक थे। अतएव दासी-पुत्र बनबीर को उनका संरक्षक और उनकी ओर से राज्य का संचालनकर्त्ता बनाया गया, क्योंकि महारानी करुणावती का भी स्वर्गवास हो चुका था।

राज्य का लोभ मनुष्य को मनुष्य नहीं रहने देता। बनबीर भी राज्य के लोभ से पिशाच बन गया। उसने सोचा कि यदि राणा साँगा के दोनों पुत्रों को मार दिया जाए तो चित्तौड़ का सिंहासन उसके लिए निष्कंटक हो जाएगा। इसी विचार से एक रात नंगी तलवार लिए वह अपने भवन से निकला। उसने लालच में अन्धे होकर विक्रमादित्य की हत्या कर दी।

राजकुमार उदयसिंह सायंकाल का भोजन करके सो चुके थे। उनका पालन-पोषण करने वाली पन्ना धाय को बनबीर के बुरे अभिप्राय का कुछ पता न था। रात में जूठे पत्तल हटाने बारिन आयी, उसने पन्ना को बनबीर द्वारा विक्रमादित्य की हत्या का समाचार दिया। बारिन उस समय वहीं थी और बनबीर का यह कुकृत्य देखकर किसी प्रकार भागी हुई पन्ना के पास आयी थी। उसने कहा- 'वह यहाँ आता ही होगा।'

पन्ना चौंकी और उसे अपना कर्तव्य स्थिर करने में क्षणभर भी न लगा। उसने बालक उदयसिंह को उठाकर बारिन को दे दिया और कहा-'इन्हें लेकर चुपचाप निकल जाओ। मैं तुम्हें वीरा नदी के तट पर मिलूँगी।'

उदयसिंह सो रहे थे। उन्हें टोकरे में लिटाकर, ऊपर से पत्तलें ढककर बारिन राजभवन से निकल गयी। इधर पन्ना ने अपने पुत्र चन्दन को कपड़ा उढ़ाकर उदयसिंह के पलंग पर सुला दिया। दोनों बालक लगभग एक ही अवस्था के थे। अपने स्वामी के बालक और राज्य के उत्तराधिकारी की रक्षा के लिए उस धर्मनिष्ठ धाय ने अपने कलेजे के टुकड़े का बलिदान करने का निश्चय कर लिया था।

नंगी रक्त सनी तलवार लिए बनबीर कुछ क्षणों के बाद ही आ धमका। उसने कड़क कर पूछा- 'उदय कहाँ है?' पन्ना धाय ने अगुँली से अपने सोते पुत्र की ओर संकेत कर दिया। तलवार उठी और उस अबोध बालक का सिर धड़ से अलग हो गया। बनबीर चला गया। कर्तव्यनिष्ठ पन्ना धाय के मुख से न चीख निकली, न नेत्रों से आँसू गिरे। उसे तो अभी अपना धर्म निभाना था। उसका हृदय फटा जाता था। पुत्र का शव लेकर वह राजभवन से निकली।

वीरा नदी के तट पर उसने पुत्र का अन्तिम संस्कार किया और मेवाड़ के नन्हे निद्रित अधीश्वर को लेकर रात्रि में ही मेवाड़ से बाहर निकल गयी। बेचारी धाय! कोई उसे आश्रय देकर बनबीर से शत्रुता मोल लेना नहीं चाहता

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

था। अत: वह एक से दूसरे ठिकानों में भटकती फिरी। अन्त में देयरा के आशाशाह ने उसे आश्रय दिया। बनबीर को उसके कर्म का दण्ड मिलना था, मिला। राणा उदयसिंह जब गद्दी पर बैठे, पन्ना धाय की चरण-धूलि अपने मस्तक पर लगाकर उन्होंने अपने को धन्य माना। पन्ना चित्तौड़ की सच्ची धात्री सिद्ध हुई और सेवक धर्म के आदर्श का पाठ दुनिया को सिखा गयी। पन्ना धाय की उज्ज्वल कीर्ति अमर है।

(*i*) बनबीर कौन था ? लोभ में पड़कर उसने क्या सोचा ? [2]

(*ii*) पन्ना धाय को बनबीर के बुरे अभिप्राय का कब व किस प्रकार पता चला ? [2]

(*iii*) पन्ना धाय ने क्या निर्णय लिया और क्यों ? [2]

(*iv*) पन्ना धाय वीरा नदी के तट पर क्यों पहुँची ? उसे अनेक ठिकानों पर क्यों भटकना पड़ा ? [2]

(*v*) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? [2]

Question 4.

Answer the following according to the instructions given :-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

(*i*) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए :-

दिन, माया। [1]

(*ii*) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-

भाग्य, पवित्र। [1]

(*iii*) निम्न शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :-

साकार, क्षणिक, विस्तृत, कीर्ति। [1]

(*iv*) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :-

ज़हर का घूँट पीना, नाक रख लेना। [1]

(*v*) भाववाचक संज्ञा बनाइए :-

एक, उड़ना। [1]

(*vi*) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :-

(*a*) घर जाने में एकमात्र चार दिन शेष हैं। [1]
(वाक्य शुद्ध कीजिए)

(*b*) एक नवयुवक को यह बन्धन पसन्द नहीं आया। [1]
('पसन्द' के स्थान पर 'अच्छा' शब्द का प्रयोग कीजिए)

(*c*) विद्यार्थियों ने एक निबन्ध लिखा। [1]
(वाक्य को वर्त्तमानकाल में बदलिए)

SECTION - B (40 MARKS)

*(Attempt **four** questions from this Section.)*

*You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

गद्य-संकलन

Question 5.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

लोग समझते थे कि एक महीने का झंझट है, किसी तरह काट लें, कहीं कार्य सिद्ध हो गया तो कौन पूछता है।

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

लेकिन मनुष्यों का वह बूढ़ा जौहरी आड़ में बैठा हुआ देख रहा था कि इन बगुलों में हंस कहाँ छिपा हुआ है।

–परीक्षा–

लेखक–प्रेमचन्द

(*i*) कौन इसे एक महीने का झंझट समझ रहे थे और क्यों ? [2]

(*ii*) इस पाठ के संदर्भ में 'जौहरी' शब्द का अर्थ बताइये। इसका प्रयोग किसके लिये किया गया है और क्यों? [2]

(*iii*) 'बगुलों में हंस' मुहावरे की व्याख्या कीजिए एवं बताइए कि बगुले और हंस का यहाँ किससे तात्पर्य है? [3]

(*iv*) सरदार सुजान सिंह किस प्रकार के व्यक्ति को रियासत का दीवान बनाना चाहते थे ? उनकी कसौटी पर कौन व्यक्ति खरा उतरा ? [3]

Question 6.

Read the extract given below and answer in ***Hindi*** *the questions that follow :-*

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

दिमागी काम करने वाले लोग मजदूरों को नीचा समझते हैं। थोड़ा सा काम लेने के लिए जितनी मजदूरी देनी पड़ेगी उतनी देंगे, पर ज्यादा से ज्यादा काम लेंगे। ऐसी वृत्ति ही बन गई है। मानो उन्हें तो काम से नफरत है ही, मजदूर को भी काम से नफरत है। वह मजदूरी तो करता है पर उसमें उसे गौरव नहीं लगता।

–श्रम की प्रतिष्ठा–

लेखक–विनोबा भावे

(*i*) मजदूरों को कौन–कौन से व्यसन लग जाते हैं ? [2]

(*ii*) काम के प्रति लोगों की मनोवृत्ति कैसी हो गई है ? [2]

(*iii*) अपने कार्य के प्रति कैसा भाव होना चाहिए ? [3]

(*iv*) विनोबा भावे ने मजदूर को शेषनाग क्यों बताया है ? [3]

Question 7.

Read the extract given below and answer in ***Hindi*** *the questions that follow :-*

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

ममता अब सत्तर वर्ष की वृद्धा है। वह अपनी झोंपड़ी में एक दिन पड़ी थी। शीतकाल का प्रभाव था। उसका जीर्ण कंकाल खाँसी से गूँज रहा था। ममता की सेवा के लिए गाँव की दो–तीन स्त्रियाँ उसे घेर कर बैठी थीं, क्योंकि वह आजीवन सब के सुख–दु:ख की सह–भागिनी रही।

–ममता–

लेखक–जयशंकर प्रसाद

(*i*) ममता अब कितने वर्ष की हो गई है ? उसकी दशा का वर्णन कीजिए। [2]

(*ii*) अन्तिम समय कौन ममता को ढूँढ़ रहा था और क्यों ? [2]

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

(*iii*) अन्त में उसकी झोपड़ी ने क्या रूप लिया ? अपने शब्दों में बताएँ कि शिलालेख पर क्या लिखवाया गया ? [3]

(*iv*) इस कहानी के माध्यम से लेखक ने ममता के चरित्र की क्या विशेषता बताई है ? [3]

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक–प्रकाश नगायच

Question 8.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

सामने दीवार पर लगे दर्पण में उसे पिछले झरोखे के निकट एक हिलती हुई आकृति दिखाई दी। महादेवी को हाथ के इशारे से मौन रहने का संकेत करते हुए लपक कर वह झरोखे के निकट आई और बड़े ध्यान से इधर–उधर देखने लगी।

(*i*) यह कौन है, जो बड़े ध्यान से इधर–उधर देखने लगी। महादेवी का परिचय दीजिए। [2]

(*ii*) वह इतनी घबरायी हुई सी क्यों लगती है ? उसे क्या शक हो गया था ? [2]

(*iii*) वह आदमी कौन था जो उनकी बातें सुन रहा था ? उससे उन्हें क्या भय था ? [3]

(*iv*) ध्रुवस्वामिनी और देवसेना क्या बातें कर रही थीं ? [3]

Question 9.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

वह चाहकर भी शिखरस्वामी और रामगुप्त के इस निर्णय का विरोध न कर पा रहा था। उसने रात के अँधेरे में नदी के दूसरे किनारे पर शकों के मोर्चे लगे देखे थे। रामगुप्त के दूत ने भी यही बताया था।

(*i*) शिखरस्वामी और रामगुप्त ने क्या निर्णय किया था और क्यों ? [2]

(*ii*) उस निर्णय का विरोध कौन नहीं कर पा रहा था और क्यों ? [2]

(*iii*) इस समय वह किस प्रकार बैठा, किस योजना पर विचार कर रहा था ? [3]

(*iv*) रामगुप्त का चरित्र–चित्रण कीजिए। [3]

Question 10.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"लेकिन हम इस बार उनके इस विश्वास को धूल में मिला देंगे।" अग्निमित्र ने गर्व से कहा –

"मगध–सेना ने भी आज तक कभी पराजय का मुँह नहीं देखा।"

"सतलुज पार करने के लिए यही स्थान अधिक उपयुक्त दिखाई देता है, वीरसेन!"

(*i*) अग्निमित्र किसके, किस विश्वास को धूल में मिला देने की बात कर रहा है ? [2]

(*ii*) सतलुज पार करने के लिए इस स्थान को क्यों उपयुक्त बताया गया ? [2]

(*iii*) इस अवसर पर अतीत की कौन–सी बात, किसे याद आती है ? उस बात से किसके मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? [3]

(*iv*) प्रस्तुत प्रसंग को ध्यान में रखकर सिद्ध कीजिए कि चन्द्रगुप्त सफल सम्राट ही नहीं कुशल सेनापति भी था। [3]

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

Question 11.

Read the extract given below and answer in ***Hindi*** *the questions that follow :-*

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"घर खाली दीवारों का नाम नहीं है पापा! घर नाम है एक ऐसे माहौल का, जिसमें प्यार रचा-बसा रहता है; जिसमें सबके दु:ख-दर्दों का संचरण एकसाथ मुखर रहता है, जिसकी हवा में आत्मीयता की गंध होती है। क्या हमारा घर, घर है पापा ?"

-भटकन-

लेखक-शैल रस्तोगी

(*i*) उक्त वाक्य का वक्ता कौन है ? उसने किस अवसर पर यह कहा है ? [2]

(*ii*) वक्ता की क्या समस्या है ? उसके लिए वह किसे दोषी समझता है? [2]

(*iii*) उक्त वार्ता का समय व स्थान क्या है ? इस समय वहाँ कौन-कौन उपस्थित थे ? [3]

(*iv*) प्रस्तुत एकांकी में आज के समय की किस सच्चाई को उभारा गया है ? आपको इस एकांकी से क्या शिक्षा मिली ? [3]

Question 12.

Read the extract given below and answer in ***Hindi*** *the questions that follow :-*

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

भीड़ को कानून हाथ में लेना चाहिए ?

जब तक सरकार और उसके अधिकारी ठीक आचरण नहीं करेंगे, तब तक जनता प्रदर्शन करती ही रहेगी। कानून हाथ में लेती रहेगी। भाई साहब, इस नौकरशाही ने, शासन की इस भूख ने आपको जनता से दूर कर दिया है।

-सीमा रेखा-

लेखक-विष्णु प्रभाकर

(*i*) 'कानून हाथ में लेने' का क्या अर्थ है ? एकांकी के सन्दर्भ में इसकी चर्चा कीजिए। [2]

(*ii*) जनता के प्रदर्शन करने के क्या कारण यहाँ बताए गए हैं तथा उनका समाधान क्या है ? [2]

(*iii*) कौन जनता से दूर कर दिया गया है, और क्यों ? [3]

(*iv*) एकांकी का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 13.

Read the extract given below and answer in ***Hindi*** *the questions that follow :-*

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

"दुष्ट रावण ने जब आपका हरण किया था, आपने अपने कुछ वस्त्र और आभूषण नीचे फेंक दिये थे। वे वानरराज सुग्रीव को प्राप्त हुए। मैं वानरराज सुग्रीव का सहायक हूँ। जब लक्ष्मण-सहित श्रीराम आपको खोजते हुए उस स्थान पर आये तो दोनों की मित्रता हुई।"

-राजरानी सीता-

लेखक-डॉ० रामकुमार वर्मा

(*i*) रावण ने सीता हरण किस प्रकार किया था ? [2]

(*ii*) वानरराज सुग्रीव और श्रीराम की मित्रता किस प्रकार हुई थी ? [2]

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

(*iii*) वक्ता की बात सुनकर श्रोता को क्या विश्वास हुआ ? उसने क्या कहा ? [3]

(*iv*) गुणी एवं ज्ञानी रावण के विनाश के आपकी दृष्टि में क्या-क्या कारण थे ? [3]

काव्य-चन्द्रिका

Question 14.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि।।
रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं।
उनतें पहिले वे मुए, जिन मुख निकसत नाहिं।।

-नीति के दोहे-

कवि – रहीमदास

(*i*) 'रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि' – पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

(*ii*) सुई और तलवार का उदाहरण किस संदर्भ में दिया गया है ? इस दोहे से आपको क्या शिक्षा मिली ? [2]

(*iii*) रहीम दास जी ने भीख माँगने वाले व्यक्तियों की निन्दा क्यों की है ? भीख माँगने से भी निन्दनीय क्या काम होता है और क्यों ? [3]

(*iv*) रहीम कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए। [3]

Question 15.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

तुम तो, हे प्रिय बन्धु, स्वर्ग-सी,
सुखद, सकल विभवों की आकर।
धरा-शिरोमणि मातृ-भूमि में,
धन्य हुए हो जीवन पाकर।
तुम जिसका जल-अन्न ग्रहण कर,
बड़े हुए लेकर जिसकी रज।
तन रहते कैसे तज दोगे,
उसको हे वीरों के वंशज।

-स्वेदश प्रेम-

कवि – रामनरेश त्रिपाठी

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf

(*i*) हमारा जीवन धन्य क्यों है ? समझाकर लिखिए। [2]

(*ii*) मातृ-भूमि के हम पर क्या-क्या उपकार हैं ? [2]

(*iii*) कवि ने हमें 'वीरों के वंशज' क्यों कहा है ? स्वदेश-प्रेम का हमारे लिए क्या महत्व है ? [3]

(*iv*) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :- [3]

सुखद, विभव, शिरोमणि, सकल, आकर, रज।

Question 16.

Read the extract given below and answer in ***Hindi*** *the questions that follow :*

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए –

हम भले न समझें उदय-अस्त का अर्थ मगर,
हर दिन प्रभात में सृष्टि सहज हँस पड़ती है,
हर साँझ स्निग्ध आश्वास-मरन आलस देकर
स्फूर्ति सवेरे तक जीवन की मढ़ती है।

-उदय का क्षण -
कवि-भवानी प्रसाद मिश्र

(*i*) 'उदय-अस्त' से कवि का क्या तात्पर्य है ? समझाकर लिखिए। [2]

(*ii*) सृष्टि किस प्रकार हँस पड़ती है ? समझाकर लिखिए। [2]

(*iii*) हर साँझ क्या करती है ? प्रस्तुत पद्यांश के आधार पर लिखिए। [3]

(*iv*) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए :-

प्रभात, सृष्टि, स्निग्ध, स्फूर्ति, उदय, अस्त। [3]

Click for Answer Key: http://www.respaper.com/icse/895/9649.pdf